<u>प्रकाशनार्थ</u>

सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर से दिया संदेश-सुंदरकांड के नित्य पाठ से भक्तों का जीवन बन रहा है सुंदर

चैत्र नवरात्र, हिन्दु नववर्ष और रामनवमी के अवसर पर "ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति" की सपना गोयल की अगुआई में मातृशक्तियों ने श्रीराममंदिर परिसर में किया सुंदरकांड का पाठ

लखनऊ 22 मार्च। "ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवासमिति" की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुआई में शनिवार 22 मार्च को चैत्र नवरात्र, हिन्दू नववर्ष और रामनवमी के अवसर पर अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड कर सर्व मंगल की कामना की गई। इस मासिक श्रृंखला का यह सातवां सोपान था। सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल ने इस अवसर पर कहा कि सुंदरकांड का पाठ जो भी भक्त नियमित रूप से कर रहा है उसका जीवन ही सुंदर बनता जा रहा है। प्रभु की कृपा से उसको सभी कष्टों और शत्रुओं से मुक्ति मिल रही है। सुंदरकांड महा अभियान अब राष्ट्र की पहचान बनता जा रहा है। मातृशक्तियां जागृत हो रही हैं और घर घर में सुंदरकांड का पाठ किया जाने लगा है। केवल एक वर्ष की अल्पावधि में जिलों से लेकर दिलों तक को जोड़ने में यह महा अभियान सफल रहा है।

सपना गोयल के अनुसार भारत की पावन भूमि साधु-संतों और देवी देवताओं की जन्म स्थली रही है। भारत ने हमेशा विश्व का आध्यात्मिक मार्गदर्शन किया है। ऐसे में सुंदरकांड महा अभियान भारत को एक बार पुन: विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने के महा लक्ष्य को लेकर सतत आगे बढ़ रहा है। सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल की अगुआई में इस महा अभियान की शुरुआत 10 मार्च 2024 को लखनऊ के झूलेलाल घाट में हुई थी। जहां पांच हजार मातृशक्तियों द्वारा वृहद स्तर पर सुंदरकांड का पाठ किया गया था। इस क्रम में स्थानीय अनगिनत मंदिरों के साथ ही नैमिषारण्य तीर्थ, उत्तराखंड कोटद्वार के प्रतिष्ठित प्राचीन मंदिर-सिद्धबली परिसर, काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर परिसर, अयोध्याजी के जन्मभूमि मंदिर परिसर और प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर परिसर में भी सामूहिक सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान, सफलतापूर्वक आयोजित करवाया जा चुका है। बीते साल 11 सितम्बर से अयोध्याजी में प्रभु रामजी की जन्मभूमि परिसर में भी, मासिक सुंदरकांड पाठ का सिलसिला शुरू हो गया है। इस क्रम में अब मथुरा स्थित भगवान कृष्ण जन्मस्थली में भी मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा।

सपना गोयल
संस्थापिका
श्री परमान्द हरि हर मन्दिर, लखनऊ